दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, एरणाकुलम, केरल
DAKSHIN BHARAT HINDI PRACHAR SABHA, ERNAKULAM, KERALA

डीबीएचपीएस शिक्षा स्नातक प्रशिक्षण महाविद्यालय, अम्बाडिमला, एरणाकुलम, केरल –682305

DBHPS SHIKSHA SNATAK TRAINING COLLEGE,AMBADIMALA, ERNAKULAM, KERALA–682305

SEMESTER - 2

SYLLABUS
D.El.Ed (SHIKSHA SNATAK)

यूनिट – 1

सीखना या अधियम

1.1 अर्थ, नियम एवं सिद्धांत – पावलव, कोहलर, थार्नडाइक

1.2 अ. प्रयास एवं भूल सिद्धांत

ब. मेज (Maize) उपकरण के प्रयोग द्वारा सिद्धांत का सत्यापन

1.3 सीखने का स्थानांतरण

1.4 सीखने का प्रकार

1.5 शिक्षण अधिगम प्रकिया में सीखने का महत्व

यूनिट – 2

सीखने को प्रभावित करनेवाले कारक – अवधान एवं रुचि

2.1 अवधान – अर्थ, विशेषताएँ, प्रकार

2.2 अवधान भंग होने के कारण और उपाय

2.3 अवधान का विस्तार ज्ञान करने हेतु प्रयोग

2.4 रुचि – अर्थ, विशेषताएँ, प्रकार

2.5 सीखने में रुचि बनाए रखने के उपाय

2.6 रुचि ज्ञात करने हेतु परीक्षण

अ. शैक्षिक रुचि प्रपत्र – कुलश्रेष्ठ

यूनिट – 3

मार्गदर्शन एवं परामर्श

3.1 मार्गदर्शन – अवधारणा, प्रासंगीकता, क्षेत्र

3.2 परामर्श – अवधारणा, परिभाषा, आवश्यकता, सिद्धांत एवं तरीकें

– प्रकिया

– कौशल

– महत्व

3.3 मार्गदर्शन और परामर्श के बीच संबंध एवं अंतर

3.4 बच्चों में सीखने की समस्याएँ

3.5 बच्चों में व्यवहार संबंध समस्याएँ

3.6 बच्चों में भावात्मक समस्याएँ

3.7 बाला उत्पीडन

3.8 व्यसन

3.9 मार्गदर्शन, परामर्श – वर्तमान प्रासंगीकता –स्कूल परामर्श केंद्र – भौतिक सुविधाएँ

यूनिट – 4

स्मृति व विस्मृति

4.1 स्मृति के अर्थ एवं उसके अवयव
4.2 अच्छी स्मृति के लक्षण एवं प्रयोग तथा उन्नति के उपाय
4.3 विस्मृति के कारण एवं महत्व
4.4 विस्मृति कम करने का उपाय

* * * * * *

पाठ्यक्रम और लोकतंत्रात्मक शिक्षा 202

<u>यूनिट – 1</u>

पाठ्यचर्या

1.1 पाठ्यचर्या – संकल्पना, अर्थ, प्रकृति
1.2 पाठ्यचर्या – क्षेत्र एवं विशेषताएँ
1.3 पाठ्यचर्या का अधिकमकर्ता के साथ संबंध

<u>यूनिट – 2</u>

पाठ्यचर्या विकास – प्रकिया एवं सिद्धांत

2.1 पाठ्यचर्या के उद्धेश्य
2.2 पाठ्यचर्या निर्माण की प्रक्रिया
2.3 पाठ्यचर्या का विकास
2.4 पाठ्यचर्या विकास के प्रमुख सोपान
2.5 पाठ्यचर्या निर्माण के आधारभूत सिद्धांत

<u>यूनिट – 3</u>

पाठ्यचर्या संरचना के समाजशास्त्रीय आधार

3.1 पाठ्यचर्या निर्माण के समाजशास्त्रीय आधार
3.2 पाठ्यचर्या विकास हेतु समाज एक बल
3.3 भारत में सामाजिक परिवर्तन
3.3.1. विज्ञान एवं तकनीकि के प्रभाव के संदर्भ में सामाजिक परिवर्तन
3.3.2. पाठ्यचर्या विकास पर सामाजिक परिवर्तन का प्रभाव

<u>यूनिट – 4</u>

पाठ्यचर्या मूल्यांकन

4.1 पाठ्यचर्या मूल्यांकन की संकल्पना
4.2 पाठ्यचर्या निर्माण के चरण
4.3. पाठ्यचर्या मूल्यांकन के उद्धेश्य एवं प्रकार
4.4 मूल्यांकन की आवश्यकता और महत्व
4.5 पाठ्यचर्या मूल्यांकन के चरण
4.6 पाठ्यचर्या मूल्यांकन की तकनीकि

* * * * * *

सूचना संचार और प्राद्योगिकी – सीखने तथा सिखाने की प्रकिया 203

यूनिट – 1

शैक्षिक तकनीकी

1.1 शैक्षिक तकनीकी का अर्थ

1.2 शैक्षिक तकनीकी के लक्ष्य एवं उद्धेश्य

1.3 शैक्षिक तकनीकी के आवश्यकता और उपयोग

1.4 शैक्षिक तकनीकी के क्षेत्र, कार्य और सोपान

यूनिट – 2

शिक्षण अधिगम के संदर्भ में सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी (ICT)

2.1. ICT क्या है ?

2.2. सूचना और संचार प्रोद्योगिकी (ICT) के शैक्षिक उपयोग एवं आवश्यकता

2.3 शिक्षा पर ICT का प्रभाव

2.3.1. कक्षा शिक्षण – SMART CLASS

2.3.2. दूरस्थ शिक्षा – DISTANCE EDUCATION

2.3.3. ऑनलइन शिक्षा –

2.3.1.1. आवश्यकता

2.3.1.2. ऑनलाइन शिक्षा के पाठ्यक्रम, लाभ, समस्याएँ तथा समाधान

2.3.1.3. ऑनलाइन अनुवर्ग में ICT का प्रयोग

2.4 वर्चुवल क्लासरुम

2.5 मूल्यांकन में ICT

यूनिट – 3

सीखाने एवं सिखाने में संप्रेषण एवं संचार

3.1 संप्रेषण – चक्र, प्रकार, आवश्यकता, लाभ, सीमाएँ, सिद्धांत, विभिन्न माध्यम

3.2. एडगर डेल का अनुभव शंकु

3.3 संचार – जनसंचार या समूह साधन, बहुमाध्यम या बहुवैकल्पि साधन

3.4. बहुवैकल्पि साधन उपगम – कम्प्यूटर प्रणाली

3.5 सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न साधन

3.6. मल्टीमीडिया एप्लिकेशन

3.7. विभिन्न साधनों का तुलनात्मक अंतर

3.8. इंटरनेट, ई.मेल,www,social Media

3.9. इनसैक्लोपीडिया

3.10. ऑनलाइन विश्वकोश, चैटिग, अंस्टेंट मैसेजिंग

यूनिट – 4

शैक्षिक तकनीकी के प्रकार

4.1 शिक्षा में तकनीकी और शिक्षा की तकनीकी

4.2 शिक्षा में तकनीकी – विभिन्न शैक्षिक साधन – श्वेत / श्यामपट, लटेप पलक, पलेनल बोर्ड,

4.3 क्लिप बोर्ड – इन्टरेविटव बोर्ड, आवेर हेड प्रोजेक्टर, डिजिटल केमेरा , मल्टिमीडिया प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर, रेडियो एवं मोबइल – स्मार्ट फोन

4.4 शिक्षा की तकनीकी

4.4.1 शिक्षण सूत्र

4.4.2. शिक्षण विद्या

4.4.2.1. व्याख्यान विधि, ह्यूरिस्टिक विधि, अंतःक्रिया विधि, प्रयोजन विधि, आगमन विधि, निगमन विधि, समस्या समाधान विधि, खेल–खेल में शिक्षण, गतिविध आधार शिक्षण, कहानी पद्धति, अभिनय

4.5 मूल्यांकन में शैक्षिक तकनीकी का उपयोग

4.5.1. विद्यार्थियों के अधिगम का मूल्यांकन करने के विभिन्न तकनीकें

* * * * * *

कला और कार्य शिक्षा

यूनिट – 1

कला एवं कला शिक्षा :

1. कला शिक्षा की अवधारना एवं समझ
   - 1.1. कला एवं कला शिक्षा का महत्व
   - 1.2. क्षेत्रिय कलाएँ तथा शिल्प परिचय – शैक्षिक उपयोगिता
   - 1.3. कला – शिक्षण विधि के रुप में
   - 1.4. नियमित रुप से विविध प्रसंगों का बुलेटिन बोर्ड पर प्रदर्शन। प्रसंग इस प्रकार हो सकता हैं – फिल्म, पुस्तकें, त्योहार, शिल्प, कलाकार,लेखक, स्थानीय कला व संस्कृती, कविता, कार्टून आदि।

यूनिट – 2

कला समेकित शिक्षा – अवधारणा एवं महत्व

- 2.1 कला समेकित शिक्षा की अवधारणात्मक समझ व शैक्षिक उपयोगिता
- 2.2 विद्यालय के दैनिक गतिविधियों के संदर्भ में, कला शिक्षा को एकीकृत करना । जैसे – कला और भाषा ,कला और गणित, कला और पर्यावरण
- 2.3 सीखने की संसाधन के रुप में हस्त शिल्प संग्रहालय, ऐतिहासिक इमारतें, भवन, फिल्म, पुस्तक, उत्सव, पर्यटन आदि।

यूनिट – 3

कार्य शिक्षा का कार्यान्वयन

- 3.1 कार्य शिक्षा का पाठ्यक्रम – सामग्री, उपकरण और तकनीकी का उपयोग
- 3.2 विद्यार्थियों का समूह बनाना , समय और स्थान का आवटन
- 3.3 विभिन्न कक्षाओं के लिए कार्य शिक्षा की सत्रों की योजना
  - 3.3.1. बुनियादी आवश्यकताओं की बेहतर पूर्ती से संबंधित गतिविधिया
  - 3.3.2 परिवेश की सौंदर्य वृद्धि से संबंधित गतिविधियॉ
  - 3.3.3 सामुदायिक सेवा से संबंधित गतिविधियॉ
  - 3.3.4 सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रिय एकीकरण से संबंधित गतिविधियॉ
  - 3.3.5 पर्यावरणीय जागरुकता से संबंधित गतिविधियॉ
- 3.4 प्रारंभिक कक्षाओं में कार्य शिक्षा के लिए सामग्री का चयन और समन्वय
- 3.5 सामग्री और उपकरणों का खंडारण और प्रबंधन
- 3.6 कार्य शिक्षा से संबंधित शिक्षण अधिगम गतिविधियों के तरीखें – अवलोकन एवं पर्यवेक्षन विधि, प्रदर्शन विधि, प्रायोगिक विधि, प्रयोजन विधि एवं परिभ्रमण विधि

यूनिट – 4

कार्य शिक्षा में प्रयोगिक कार्य

4.1 कार्य शिक्षा में गतिविधियों का चयन करने के लिए आधारभूत मापदंड एवं माणदंड

4.2 गतिविधियों का प्रदर्शन

4.2.2. गुडिया बनाना, पुराने मोज़े से कटपुतलि या गुडिया बनाना, कार्डबोर्ड से मुखौटे बनाना, नारियल से आकृतियॉ बनाना, कागज़ के थैले बनाना, कागज तथा कपड़े के फूल बनाना, मोमबत्ती बनाना, बोनसाई बनाना, ग्रीटिंग कार्डस् बनाना।

* * * * * *